कामधेनु–एकीकृत आदिवासी डेयरी विकास परियोजना जिला खरगोन
ग्राम–कदवाली, तहसील–भगवानपुरा

दुग्ध व्यवसाय बना कर्जमुक्ति का साधन

समिति सदस्य – हितग्राही का नामः	**कमरसिंह पिता वेलजी**
उम्र	**36 वर्ष**
जातिः	**अजजा – बारेला**
निवासीः	**ग्राम कदावली, तहसील–भगवानपुरा**
दुग्ध सहकारी समिति का नामः	**कदवाली सहकारी दुग्ध समिति कदवाली**
सदस्य को प्रदायित दूधारू पशुः	**गाय–2 भैंस 1**
वर्तमान में दुधारू पशुओं की संख्या :	**3 दुधारू पशु व 5 बछडे**

दुग्ध व्यवसाय के पूर्व हितग्राही की आर्थिक स्थितिः

कदावली निवासी कमरसिंह कामधेनु योजना से दुधारू पशु प्राप्त होने के पूर्व कृषि मजदूरी का कार्य करते थे। इनके पास मात्र 2 एकड़ जमीन है जिससे इनकी औसतन आमदनी प्रतिमाह 1800 से 2000 रूपये ही हो पाती थी। इस आय से परिवार कें 9 सदस्यो का भरण पोषण मुश्किल से होता था । खेती में फसल आने तक सेठ साहुकारों से उंचे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ता था।

दुग्ध व्यवसाय के पश्चात हितग्राही के आर्थिक स्थिति में सुधार

वर्तमान में तीन दुधरू पशुओ से कमरसिंह 11 लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादित कर रहे है। आज इनकी आमदनी रू 3000 प्रतिमाह की है। प्रारंभ से अब तक ये रू. 2.00 लाख का दूध, दुग्ध समिति को बेच चुके है। दुग्ध व्यवसाय अपनाने के बाद इन्होंने साहूकार का रूपये 12 हजार का कर्ज चुकाया है। रूपये 1.40 लाख की शुध्द आय दुग्ध व्यवसाय से अब तक हो चुकी है।

दुग्ध व्यवसाय अपनाने में हितग्राही के रहन सहन में आया सुधारः

दुग्ध व्यवसाय अपनाने से इनके जीवन स्तर में सुधार आया हैं । 35000 रू. मे मोटर साइकिल खरीदी है। इन्होने 30 हजार रूपये खर्च कर नया कुआ खुदवाया है और 3500 रूपये में नई बैलगाडी भी खरीदी है। कमरसिंह व्दारा अपने बच्चों को पढने के लिये स्कूल भेजा रहा है। कामधेनु परियोजना से मिली गाये नियमित आमदनी का स्त्रोत बनी हुई है। दुग्ध व्यवसाय से कमरसिंह के परिवार में दूध की उपलब्धता बढ़ी है। शुद्ध आय के साथ लगभग 30 ट्राली गोबर की खाद डालने से कृषि की आय में भी 40 हजार रूपये प्रति वर्ष की वृद्धि हुई । साहूकार पर निर्भरता खत्म हुई है